



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 12-2022] CHANDIGARH, TUESDAY, MARCH 22, 2022 (CHAITRA 1, 1944 SAKA)

General Review

स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा की वर्ष 2017-18 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 4 मार्च, 2022

क्रमांक 46/12/2020-5HB-II.—

स्वास्थ्य विभाग हरियाणा की इस वार्षिक रिपोर्ट में चिकित्सा संस्थानों तथा जनता को दी गई स्वास्थ्य सुविधाओं का वर्णन है जो कि हरियाणा राज्य में स्वास्थ्य विभाग ने प्रदान की है। इस रिपोर्ट में विभिन्न जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसे संक्रामक रोगों का कार्यक्रम, राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम, टी०बी० रोग नियंत्रण, परिवार कल्याण कार्यक्रम आदि का विस्तृत समावेश है।

31 मार्च, 2018 को राज्य में 3454 चिकित्सा संस्थाएँ कार्य कर रही थी। इन चिकित्सा संस्थाओं में एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति के अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, औषधालय, जिला क्षयरोग केन्द्र एवं उप केन्द्र आदि सम्मिलित हैं।

वर्ष 2017 के दौरान मलेरिया के 5696 केस रिपोर्ट किये गये, जो वर्ष 2016 तुलना में 27.6% कम है।

वर्ष 2017-2018 के दौरान परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत 56,447 बन्धीकरण के आप्रेशन किये गये, 2,19,638 महिलाओं को आई०यू०सी०डी० (कापर टी) लगायी गयी और 1,98,49,739 निरोध तथा 9,19,495 गर्भ निरोधक गोलियों का वितरण दर्ज किया गया जबकि पूर्ववर्ती वर्ष 2016-17 में 64,854 बन्धीकरण के आप्रेशन तथा 2,20,387 महिलाओं को आई०यू०सी०डी० (कापर टी) लगाये गये थे और 1,92,64,892 निरोध तथा 10,08,493 गर्भ निरोधक गोलियों का वितरण दर्ज किया गया था। इस कार्यक्रम में निदेशालय स्तर से लक्ष्य निर्धारण के स्थान पर जिलों से प्राप्त विवरण अनुसार कार्यभार निर्धारित किया जाता है।

हरियाणा राज्य में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वितीय चरण को 2 अप्रैल, 2005 से लागू किया गया। इसके अंतर्गत आशा, लिंक वोलैन्टीयरस, प्रथम रैफील यूनिट को सुदृढ़ करना, जननी सुरक्षा योजना, रैफरल ट्रांसपोर्ट सुविधा, वित्त प्रबंध प्रक्रिया में सुधार के लिये राज्य एवं जिला स्तर की कार्यक्रम प्रबन्धन यूनिटों का सुदृढ़ीकरण, प्रशिक्षण संस्थानों का सुदृढ़ीकरण, आवश्यक उपकरणों का उचित प्रबन्ध एवं संस्थानिक डिलीवरी, परिवार नियोजन सेवाओं, टीकाकरण आदि कार्यक्रमों में निजी क्षेत्रों की भागीदारी कराके उचित स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करवाना। इन सुविधाओं को प्रदान करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2017-18 में 595.12 करोड़ रुपये की योजना की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हुई है। जिस में से 531.46 करोड़ रुपये व्यय किए गए जो इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आर०सी०एच० पलैक्सीपुल, इन्फ्रास्ट्रक्चर टरैगथनिंग, रूटीन ईमूनाइजेशन, अन टाइड फंड्स फार सब-सैन्टर, आई०ई०सी० आदि गतिविधियों पर व्यय की गई है।

वर्ष 2017-18 के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न पदों पर 1759 नई नियुक्तियों की गईं जिनमें से 307 उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा 398 उम्मीदवार पिछड़ी जाति से सम्बन्धित थे।

चण्डीगढ़:
दिनांक 8 जून, 2020.

राजीव अरोड़ा,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
स्वास्थ्य विभाग।

**Review of the Annual Administrative Report of the Health Department, Haryana
for the Year 2017-18**

The 4th March, 2022

No. 46/12/2020-5HB-II.—

This Annual Administrative report of the Health Department, Haryana contains information of medical and health facilities provided to the public in Haryana state by the Health department. The details of various public health programmes like control of communicable diseases, National Vector Borne Disease control Programme, Control of Blindness Programme, Control of T.B. Family Welfare Programme etc. have been incorporated.

There were 3454 medical institutions functioning in the state as on 31 March, 2018. These medical institutions include hospitals, community health centres, primary health centre, dispensaries, distt. tuberculosis centre and sub-centres of the allopathic system.

During the year 2017, 5696 malaria case were reported which has 27.6 % less than compared to 2016.

Under the Family Welfare Programme 56,447 Sterilization operations were performed 2,19,638 I.U.C.Ds (Intra Utrine Contraceptive Device) were inserted and 1,98,49,739 Condom Pieces and 9,19,495 Oral Pill cycles were distributed/registered during the year 2017-18 as against 64,854 Sterilization operations performed 2,20,387 I.U.C.Ds inserted and 1,92,64,892 Condom Pieces and 10,08,493 Oral pill cycles distributed/registered during the year 2016-17. In this programme instead of fixing target by the Directorate, the district wise work load was assigned on the basis of information received.

Reproductive & Child Health Programme Phase II under the banner of National Rural Health Mission was launched in Haryana State on 2nd April, 2005. The Mission lays emphasis ASHA as Link Volunteers, First Referral Unit operationalization and components of Janani Suraksha Yojna, Referral Transport and Strengthening Programme Management Unit at State and district level with particular emphasis on improved financial management system, Strengthening of training institutions, Logistic Management and Public Private partnerships to provide quantifiable services for institutional delivery and family planning services, immunization. For this purpose during the year 2017-18 a plan of worth Rs. 595.12 crore was sanctioned by the Indian Govt. under this programme. A sum of Rs. 531.46 crore was spent against it. The expenditure has been incurred on RCH flexipool, Infrastructure Strengthening, routine immunization, United funds if sub-centres, IEC activities etc.

During the year 2017-18, 1759 new appointments were made in the Health Department, out of which 307 candidates belonged to scheduled castes and 398 candidates belonged to backward classes.

Chandigarh:
The 8th June, 2020.

RAJEEV ARORA,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Health Department.